सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 82 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

दो चीजों की आदत डालिए, मदद करने की या कम से कम कोई नुकसान ना पहुंचाने की।

-हिप्पोक्रेटीस

39 गेंदो में आरसीबी ने दिल्ली से... 7 | यूपी की सरकार पर कांग्रेस का... 3 | चुनाव के बाद डीजल, पेट्रोल और... 2

# प्रचार खत्म माहौल गर्म

## धमकियों, आरोपों और सियासी तकरार के बीच उबलता बंगाल

» डराएगा तो ठोकाएगा दीदी जैसे शब्दों से गूंज रहे राजनीतिक मंच

» बंगाल चुनाव से चर्चा में आये आईपीएस यशपाल शर्मा पर बरसे अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल की सियासत इस वक्त सिर्फ चुनावी जंग नहीं बल्कि शब्दों की गोलियों आरोपों की बौछार और माहौल की तपिश से भरा हुआ एक उबलता हुआ अखाड़ा बन चुकी है। प्रचार थम चुका है लेकिन राजनीतिक तापमान अपने चरम पर है।

एक तरफ सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस है जो खुद को हमलों और साजिशों का शिकार बता रही है तो दूसरी तरफ भाजपा है जो इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार में जुटी है। इतिहास गवाह है कि चुनावी महौल में आरोप चाहे जितने गंभीर लगे हों लेकिन किसी निवर्तमान मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी का आरोप नहीं लगा। तणमूल कांग्रेस ने यह कह कर सनसनी फैला दी है कि सीएम ममता बनर्जी को खुले मंच से जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

## राजनीति में तीखे बयान कोई नई बात नहीं

राजनीति में तीखे बयान कोई नई बात नहीं लेकिन जब शब्दों का स्तर इस हद तक गिर जाए कि उनमें हिंसा की बू आने लगे तो सवाल सिर्फ एक नेता या एक पार्टी का नहीं रह जाता। यह लोकतंत्र की भाषा और उसकी मर्यादा का सवाल बन जाता है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया वह न सिर्फ आपत्तिजनक है बल्कि खतरनाक भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट को लेकर सियासी भूचाल आ गया है जिसमें कथित तौर पर डराएगा तो ठोकाएगा दीदी जैसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ। यह वाक्य अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुका है। टीएमसी का कहना है कि यह सिर्फ एक बयान नहीं बल्कि एक मानसिकता का प्रतीक है। एक ऐसी मानसिकता जो डर और धमकी के जरिए सत्ता हासिल करना चाहती है। इसी बीच विपक्षी खेमे से भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बंगाल चुनाव के दौरान चर्चा में आए आईपीएस अधिकारी यशपाल शर्मा पर निशाना साधते हुए प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि बंगाल की लड़ाई अब सिर्फ क्षेत्रीय नहीं रह गयी है। बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति का अखाड़ा बन चुकी है।

## टीएमसी ने भाजपा पर लगाया बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

टीएमसी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को खुलेआम जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। टीएमसी ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में कहा कि पहले दुष्कर्म की धमकियां और अपमानजनक कार्टून फैलाए गए और अब भाजपा इस स्तर तक गिर गई है कि खुलेआम जान से मारने की धमकी दे रही है। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि डराएगा तो ठोकाएगा दीदी जिसका मतलब है कि अगर आप डराने की कोशिश करेंगी तो आपको गोली मार दी जाएगी। टीएमसी ने इसे तीन बार चुनी गई मुख्यमंत्री के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और खतरनाक बताया। साथ ही चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग इस पूरे मामले पर मूकदर्शक बना हुआ है। पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह उत्तर प्रदेश और बिहार की गोली मारो और ठोक दो वाली राजनीति को बंगाल में लाना चाहती है। टीएमसी ने यह भी कहा कि इस तरह की धमकी और डराने की संस्कृति को शीर्ष नेतृत्व का समर्थन मिला हुआ है। टीएमसी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एक महिला मुख्यमंत्री के बारे में इस तरह की भाषा इस्तेमाल की जा रही है तो आम महिलाओं और बेटियों के साथ क्या हो सकता है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। टीएमसी का कहना है कि बंगाल ऐसी बातों को न भूलता है और न माफ करता है। यह अपमान और धमकी का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि वोट के जरिए दिया जाएगा। पार्टी ने 4 मई को होने वाले मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि उस दिन बंगाल अपनी आवाज जरूर बुलंद करेगा। संबंधित खबरें अंदर भी

## चुनाव आयोग की भूमिका

चुनाव आयोग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। टीएमसी का आरोप है कि इतनी गंभीर घटनाओं के बावजूद आयोग चुप्पी साधे हुए है। क्या यह चुप्पी निष्पक्षता है या लापरवाही? यह सवाल अब जनता के मन में गूंज रहा है। 4 मई को होने वाले मतदान और उसके बाद आने वाले नतीजे सिर्फ सीटों का फैसला नहीं करेंगे बल्कि यह भी तय करेंगे कि क्या बंगाल की जनता इस तरह की भाषा और राजनीति को स्वीकार करती है या उसे खारिज कर देती है। जैसे-जैसे 4 मई की तारीख नजदीक आ रही है, बंगाल की जनता के बीच बेचैनी और उत्सुकता दोनों बढ़ती जा रही हैं। दूसरे चरण के मतदान के बाद अब सबकी निगाहें अंतिम परिणामों पर टिकी हैं। टीएमसी ने साफ कर दिया है कि वह इन कथित धमकियों का जवाब वोट के जरिए देगी। पार्टी का कहना है कि बंगाल की जनता अपमान और डर को कभी बर्दाश्त नहीं करती। यह वही राज्य है जिसने हर बार अपने तरीके से जवाब दिया है। कभी सत्ता बदलकर तो कभी सत्ता को और मजबूत करके।

# चुनाव के बाद डीजल, पेट्रोल और खाद महंगा हो जाएगा : अखिलेश यादव

## सपा प्रमुख बोले- भाजपा ने कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर एकबार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव खत्म होते ही डीजल, पेट्रोल और खाद महंगा हो जाएगा। भाजपा ने कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर ली है। वहीं उन्होंने महिला आरक्षण कानून पर भाजपा को घेरा और गाजीपुर पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद देने की घोषणा की। साथ ही किसानों के लिए बड़ा फंड बनाने का वादा किया। जनता को महिला आरक्षण में उलझा देंगे और दाम बढ़ा देंगे। गन्ना किसानों के लिए बनाएंगे 15 हजार करोड़ का कॉर्पस फंड बनाएंगे।

समाजवादी सरकार बनने पर गन्ना किसानों का भुगतान 24 घंटे के अंदर कराने का इंतजाम किया जाएगा। जिससे किसान को गन्ना की पर्ची मिलते ही भुगतान शुरू हो जाएगा। भविष्य में बुनकरों की समस्याओं का समाधान करेंगे, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे।

### लोकतंत्र के अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे

अखिलेश ने कहा कि हम न इन्हें भागने देंगे, न भूमिगत होने देंगे। ये खोज के लाए जाएंगे, खोद के लाए जाएंगे और अपने कुकृत्यों के लिए कानूनी सजा भी पाएंगे। लोकतंत्र के अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे। अखिलेश यादव एक प्रकार से यूपी चुनाव 2027 के बाद अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी की बात करते दिखे हैं।

"अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में अधिकारियों को चेतावनी भी दे डाली। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर भाजपा और उनके संगी-साथियों के इन जैसे एजेंडों के एजेंटों की सारी आपराधिक करतूतों की गहरी जांच होगी। इनके खिलाफ बेहद सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी होगी। ये सब अधिकारी के रूप में अनरजिस्टर्ड लोगों के अनरजिस्टर्ड अंडरग्राउंड सदस्य हैं।

### सपा कार्यकर्ताओं-नेताओं पर फर्जी और झूठे मुकदमे लग रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार समाजवादियों के साथ बड़े पैमाने पर अन्याय कर रही है। इस सरकार को जहां भी मौका मिल जाता है, समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं-नेताओं पर फर्जी और झूठे मुकदमे लगा देती है। गाजीपुर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व नेताओं पर एफआईआर की गई, जबकि सरकार ने असली पत्थरबाजों पर कार्रवाई नहीं की। असली पत्थरबाजों पर पहले से ही गंभीर धाराएं है, वे धमकी दे रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग सोशल मीडिया पर कुछ लिख दें या ट्वीट कर दें तो फौरन एफआईआर हो जाती है। वहीं, जो लोग समाजवादी पार्टी के खिलाफ उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार का दावा खोखला साबित हुआ है।

### बंगाल चुनाव में पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा को देखते ही भड़के सपा प्रमुख

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी पुलिस के जांबाज अधिकारी को लोकतंत्र का अपराधी करार दे दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने ऑब्जर्वर के नाम पर रामपुर और संभल में टेस्ट किए हुए अपने एजेंट भेजे हैं, लेकिन इनसे कुछ होने वाला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि दीदी हैं, दीदी रहेंगी! इसके साथ ही वे तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के पक्ष में लखनऊ से माहौल बनाते दिखे।

## गाजीपुर के पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने करंडा (गाजीपुर) के पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में भाजपा सरकार के इशारे पर समाजवादी पार्टी के नेताओं के खिलाफ दुर्व्यवहार हुआ है। भाजपा नहीं चाहती कि समाजवादी पार्टी पीडीए समाज को न्याय दिलाए। गाजीपुर जाने से रोकने के लिए तमाम तरह की नई-नई धाराएं लगाई गई हैं। भाजपा के लोग कुछ नहीं कर पा रहें तो दूसरों से पत्र लिखवा रहे हैं।

### आज पहुंचेगा सपा का दल

अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 28 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम आसरे विश्वकर्मा के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर के साथ विधायक जयकिशन साहू और रीता विश्वकर्मा भी जाएंगी।

# केजरीवाल की राह चले मनीष सिसोदिया

### » जस्टिस स्वर्ण कांता को चिट्ठी लिखी, हाई कोर्ट में पेश नहीं होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । आबकारी नीति घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई से अरविंद केजरीवाल के बाद अब मनीष सिसोदिया ने भी खुद को अलग कर लिया है। मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को चिट्ठी लिखी।

केजरीवाल की तरह मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत में खुद या वकील के पेश नहीं होने का एलान कर दिया है। मनीष सिसोदिया ने चिट्ठी में लिखा, मेरी तरफ से भी कोई वकील पेश नहीं होगा। आपके बच्चों का भविष्य सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के हाथों में है। ऐसे में मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है। सत्याग्रह के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। वहीं, सीबीआई की अपील

याचिका पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा द्वारा सुनवाई किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद केजरीवाल ने फैसला किया कि वह आगे इस मामले में न तो खुद पेश होंगे और न ही उनके कोई वकील जिरह करेंगे। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को चार पन्नों का पत्र लिखकर यह जानकारी दी। पत्र में उन्होंने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर यह निर्णय ले रहा हूं। मैं इसके नतीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हो सकता है कि इससे मेरे कानूनी हितों को नुकसान पहुंचे, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि वे न्यायमूर्ति शर्मा के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने लिखा अपने पत्र में अदालत में बहस के दौरान दी गई दलील दोहराते हुए कहा कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए।

### कश्मीर के आप विधायक मेहराज मलिक को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

आप विधायक मेहराज मलिक को कठुआ जेल से मंगलवार को रिहा कर दिया गया जिसके बाद उन्होंने लोगों के मुद्दे उठाने का संकल्प दोहराया। यह रिहाई जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय द्वारा उनकी पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत की गई हिरासत को रद्द किए जाने के बाद हुई। मामले में न्यायालय ने कहा था कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी हिरासत आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं था और इसमें सोच-विचार की कमी पाई गई। कोर्ट ने आदेश देते हुए तुरंत रिहाई के निर्देश दिए थे। जेल से बाहर आने पर समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया और फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया।

# पायलट की दोनों टांगें कांग्रेस में ही रहेंगी : अशोक गहलोत

### » भाजपा प्रदेश प्रभारी के तंज पर भड़के पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। टोंक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल के बयान के बाद राजस्थान की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। उन्होंने टोंक विधायक सचिन पायलट पर तंज कसते हुए उन्हें बहुरूपिया बताया और कहा कि उनकी एक टांग कांग्रेस में है, दूसरी कहीं और। जयपुर एयरपोर्ट पर इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार किया।

गहलोत ने कहा कि पायलट की दोनों टांगें कांग्रेस में हैं और कांग्रेस में ही रहेंगी। उन्होंने मानेसर प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग पहले गुमराह करके नेताओं को वहां ले गए थे, उनकी कोशिशें अब सफल नहीं होंगी। गहलोत ने यह भी कहा कि पायलट को अब उस दौर से सबक मिल चुका है और वे समझ गए हैं कि ऐसी राजनीतिक गलतियों के क्या नतीजे होते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अब पायलट पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं और कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। बता दें कि पहले फॉरगेट एंड फॉरगिव की बात कह चुके गहलोत बीच-बीच में मानेसर प्रकरण की याद दिलाते रहते हैं, जिसे राजनीतिक जानकार अंदरूनी रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। अब इस पूरे घटनाक्रम पर पायलट की प्रतिक्रिया का इंतजार है, जिससे प्रदेश की सियासत का अगला रुख तय हो सकता है।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# हिंदू राष्ट्र घोषणा की आवश्यकता नहीं : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है।

आरएसएस की एक विज्ञप्ति के अनुसार वह रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन व्यक्तियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में

मंदिर का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के 'द गार्डियन' अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था।

भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उपहास का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा, हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

# यूपी की सरकार पर कांग्रेस का प्रहार

## राहुल व प्रियंका ने योगी सरकार पर साधा निशाना

» कानून-व्यवस्था से लेकर अपराध तक का उठाया मुद्दा

» विस-27 चुनाव से पहले आक्रामक रूख अपनाने के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले साल यूपी में होने वाले विस चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने अभी ये गोट बिछाना शुरू कर दिया है। जहां भाजपा तीसरी बार सत्ता में रहने का जुगाड़ कर रही है। वहीं सपा पीडीए के दम पर सत्ता में वापसी करना चाहती है। वहीं कांग्रेस राज्य के कानून व्यवस्था से लेकर विकास, युवा, रोजगार व अन्य मुद्दों पर भाजपा पर प्रहार करने में लगी है।

रायबरेली के सांसद व कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने खुद मोर्चा संभाला है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गाजीपुर में नाबालिग लड़की के दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोला और महिलाओं की सुरक्षा व न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे हाथरस, कठुआ और उन्नाव जैसी घटनाओं से जोड़ते हुए अपराधों का पैटर्न बताया।

### यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक पैटर्न है : राहुल

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। इसके बाद परिवार को एफआईआर दर्ज कराने से रोकने के लिए धमकियां दी गईं और हिंसा का माहौल बनाया गया। उन्होंने इस घटना को पहले हुई कई घटनाओं से जोड़ते हुए कहा, हाथरस, कठुआ, उन्नाव और अब गाजीपुर... यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक पैटर्न है। मणिपुर की बेटी भी न्याय का इंतजार करते हुए दम तोड़ गई।

**'महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में सरकार पूरी तरह विफल'**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में नाबालिग लड़की के दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

### प्रियंका ने भी साधा निशाना

वहीं प्रियंका गांधी ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिए जाने वाले बड़े-बड़े बयान केवल दिखावा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं में अक्सर पीड़िता को ही और प्रताड़ित किया जाता है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा कि गाजीपुर में एक बच्ची की हत्या के मामले में पहले मुकदमा दर्ज करने में टालमटोल की गई, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां दी गईं और प्रभावशाली लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। यह दिखाता है कि राज्य में महिलाओं पर अत्याचार चरम पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि जहां भी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ, भाजपा ने अपनी पूरी ताकत पीड़ित के बजाय अत्याचारी के साथ खड़े होने में लगाई। देश की महिलाएं इस अंधेरे दौर को देख रही हैं।

### हर बार अपराधियों को मिलता है संरक्षण

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हर बार पीड़िता दलित, पिछड़े, आदिवासी या गरीब परिवार से होती है। हर बार अपराधियों को संरक्षण मिलता है, जबकि पीड़ित परिवार को प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सत्ता

में बैठे लोग हर बार चुप्पी साध लेते हैं, जबकि उन्हें जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस देश और राज्य में माता-पिता को अपनी बेटी के लिए एफआईआर दर्ज कराने तक के लिए गुहार लगानी पड़े, उस सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

### कांग्रेस सांसद ने की दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़ित परिवार को सुरक्षा, उच्चस्तरीय जांच और तुरंत न्याय देने की मांग की। साथ ही पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए पूछा कि आपके शासन में बेटियां इतनी असुरक्षित क्यों हैं? राहुल गांधी ने अपने बयान के अंत में कहा कि ऐसे हालात में न्याय मांगा नहीं जाता, छीना जाता है, और हम न्याय लेकर रहेंगे।

# दक्षिणी राज्य तेलंगाना में मची सियासी हलचल

## बीआरएस से निष्कासित के. कविता ने बनाई नई पार्टी

» पिता के. चंद्रशेखराव व पुत्री के. कविता में सतह पर आया मनमुटाव

» पिता के साथ अन्य दलों को देंगी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दक्षिणी राज्य तेलंगाना में बीआरएस पार्टी में सियासी हलचल मची हुई है। वहां पर पिता के. चंद्रशेखराव व पुत्री के. कविता में पिछले साल दिखा मनामुटाव निष्कासन तक पहुंच गया था। अब बीआरएस से निष्कासित के. कविता ने तेलंगाना में एक नई क्षेत्रीय पार्टी की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्य की अधूरी आकांक्षाओं को पूरा करना है।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस अपनी मूल भावना खो चुकी है और उनकी नई पार्टी व्यक्तिगत एजेंडे के बजाय तेलंगाना के लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेगी। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कविता ने 24 अप्रैल को तेलंगाना

में एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल के शुभारंभ की घोषणा की, जो राज्य की आकांक्षाओं और अधूरे एजेंडे को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके समर्थकों को बीआरएस से निष्कासित कर दिया गया था, और इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने स्वेच्छा से दल नहीं छोड़ा था। कविता ने कहा कि बीआरएस पार्टी का गठन तेलंगाना की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम, काम और पार्टी की मूल भावना ही बदल दी, जिसके परिणामस्वरूप जनता के साथ उनका रिश्ता टूट गया।

### जनहित के लिए काम करेगी नई पार्टी

कविता ने इस बात पर जोर दिया कि नई पार्टी जनहित के लिए काम करेगी, न कि व्यक्तिगत हित के लिए। उन्होंने कहा कि अतीत की राजनीतिक और व्यक्तिगत चुनौतियों ने उनके संकल्प को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी किसी व्यक्तिगत एजेंडे के लिए नहीं, बल्कि जनहित के लिए है। चाहे भाजपा द्वारा मुझे जेल में डालना हो या बीआरएस द्वारा मेरे परिवार और मुझे निशाना बनाना, मैंने बहुत कुछ झेला है। लेकिन पार्टी का मकसद ये सब नहीं है। यह जनता के लिए है। पार्टी का एजेंडा केवल तेलंगाना के लोगों के कल्याण के लिए होगा। मैंने जो पीड़ा झेली है, उसने मुझे एक बेहतर और अधिक दृढ़ इंसान बनाया है। मेरा लक्ष्य जनता के लिए काम करना है।

### 'तेलंगाना के अधूरे एजेंडे और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय पार्टी की आवश्यकता'

कविता ने कहा कि जब कोई पार्टी अपने मूल मुद्दे से भटक जाती है, तो वह टिक नहीं सकती। हमें तेलंगाना के अधूरे एजेंडे और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक क्षेत्रीय पार्टी की आवश्यकता है, और वही हमारी पार्टी होगी। उन्होंने आगे कहा कि बीआरएस पार्टी, जिसके मेरे पिता अध्यक्ष हैं, ने हमें निष्कासित कर दिया है। हमने उन्हें नहीं छोड़ा है, न परिवार को और न ही पार्टी को। हमें निष्कासित कर दिया गया है। मैं इस बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहती। लेकिन मैं तेलंगाना की बेटी हूं। मेरे खून में तेलंगाना है, इसका हौसला है। हम बहुत दृढ़ हैं, अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

### 20 साल तेलंगाना आंदोलन में बिताए हैं

उन्होंने कहा कि हमने अपने जीवन के 20 साल तेलंगाना आंदोलन में बिताए हैं। तेलंगाना का विकास करने के लिए, इसकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, चाहे हमारी पुरानी पार्टी हो या न हो, चाहे हमारा परिवार हमारे साथ हो या न हो, मेरा मानना है कि तेलंगाना के लोग ही मेरा परिवार हैं। तेलंगाना की मिट्टी की खुशबू हमें प्रेरित करती रहेगी। अपने राजनीतिक अनुभव का हवाला देते हुए कविता ने कहा कि मैं उन भारतीय महिलाओं और पुरुषों की विरासत से सीखना चाहती हूं जिन्होंने सफल शासन किया। मेरे 20 वर्षों के राजनीतिक अनुभव से मुझे पूरा विश्वास है कि हम पार्टी को अच्छी तरह से चला सकते हैं। भविष्य में, हम तेलंगाना में सत्ता में आएंगे और राज्य का बहुत अच्छे से संचालन करेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# बच्चों पर न थोपें सपने पूरे करने की जिद

**अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।**

*यूपी के कानपुर से एक हृदय को दहलाने वाली खबर आई। एक उभरते हुए 24 वर्ष के युवा वकील ने आत्म हत्या कर ली। उसने जो सुसाइड नोट लिखा है उससे प्रथम दृष्टया उसके पिता द्वारा उस पर करियर संबंधी दबाव बनाने की बात नजर आती है हालांकि उसने किसी को दोष नहीं दिया है। कुछ इसी तरह कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 18 से 23 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है।*

*यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# मुक्त प्रवाह में खलल के बीच मछुआरे की सुध

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

वैश्विक प्रवाह यानी मुक्त आवाजाही में व्यवधान पड़ता है, तो इसका असर नाकाबंदी वाले बिंदु या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। दूर तक फैलता है। तेल से लेकर भोजन और रोजी-रोटी तक, इसकी कीमत व्यवधान वाली जगह से सुदूर क्षेत्रों को भी सहनी पड़ती है। जिस आवाजाही का सतत बने रहना जरूरी है उसके लिए हर बार वार्ता करने की जरूरत क्यों पड़े। यह सततता नियमबद्ध हो न कि अपवादवश पुन: खोलना। जब 'प्रवाह के नियम' की व्याख्या पहली बार की गई, तो यह विचार बतौर सिद्धांत नहीं आया था। यह एक गैर-रूढ़िवादी किंतु सहजबोध से उत्पन्न धारणा थी, क्योंकि मछुआरा हर जगह मौजूद है, हर क्षेत्र में जहां जीवन-निर्वाह मुक्त आवाजाही पर निर्भर है। जहां सततता रही वहां स्थिरता कायम है, जहां इसमें बाधा बनी, व्यवस्था पर दबाव पड़ा। जब मुक्त प्रवाह में खलल पड़े तो ताकतवर में तकरार होता है, वहां भुगतना कमजोरों को पड़ता है।

कीमत मछुआरे को चुकानी पड़ती है। फिर, होर्मुज स्ट्रेट में, दुनिया ने उस कोताही की कीमत भुगती, जब आवाजाही नियमों की रूपरेखा तय करने से मुंह चुराया। व्यवधान पुन: बना, त्वरित परिणाम भी। बाजार में वस्तुओं की कमी हो गई। बीमा कंपनियां हिचकिचाने लगीं। आपूर्ति श्रृंखला लड़खड़ा गई। कुछ ही दिनों में, राष्ट्र जुटे, संधि या गठबंधन के तहत नहीं, बल्कि निर्भरता वश। यूके-फ्रांस की अगुवाई में एक प्रयास होने लगा, बतौर एक युद्धकालीन गठबंधन नहीं बल्कि जल परिवहन सुचारू रखने हेतु सुरक्षात्मक प्रबंधन के रूप में। सुरक्षा प्रदाता पोत साथ भेजने की बात चली। अपने नौसैन्य जहाज और सैनिक तैनात करने की पेशकश हुई। उद्देश्य था यह सुनिश्चित करना कि जल मार्गों में मुक्त आवाजाही बनी रहे। होर्मुज गठजोड़ कोई गठबंधन नहीं। स्वीकारोक्ति है। प्रवाह के नियम सीएलओसीस (सी लाइन्स ऑफ कम्युनिकेशन) का विकल्प नहीं। खंडित दुनिया में, जो मार्ग मुक्त रहना चाहिए हर बार खतरा आने पर उसको खुलवाने को समझौता वार्ता की नौबत क्यों बने? आवाजाही खुद अक्षुण्ण रहे।

लेकिन उस दिन कुछ और हुआ। इस्लामाबाद में इस मुद्दे पर एक बैठक हुई थी। दोनों पक्ष वार्ता मेज पर आए। अपनी-अपनी स्थिति बताई व अड़े रहे। लेकिन कोई हल नहीं निकला। दुनिया ने वार्ता होते देखी पर उससे नई संरचना जन्म लेते नहीं। मौके को मिसाल में बदलना हाथ से निकल गया। यह सही होने की बात नहीं है। बल्कि इस बारे

कि सही होने से क्या पता चलता है और क्या दायित्व उत्पन्न होते हैं। वही कुछ इस पल का अनुग्रह है। जो हुआ वह नियमों की रूपरेखा बनना नहीं था। यह दबाव में आकर बनाई एक कामचलाऊ व्यवस्था थी। फ्रांस और ब्रिटेन ने इक्यावन देशों को इसलिए इकट्ठा नहीं किया कि सिद्धांत ने यह करवाया बल्कि इसलिए कि कोताही की फौरी कीमत चुकानी पड़ रही है और नजरअंदाज करना नामुमकिन हो गया। वे संरक्षक जरूरत के चलते बने हैं। यह फर्क मायने रखता है। इस दिशा में प्रवाह का नियम सही साबित हुआ। लेकिन सिद्धांत और संरचना के बीच अंतर खतरनाक रूप से कायम है। इंसान जो कीमत चुका रहा, इससे पहले कि हम जलडमरूओं और शीर्ष समझौता वार्ताओं पर फिर आएं, उनके बारे में सोचें कि जिन्हें व्यवधान की कीमत चुकानी पड़ती है। न रणनीतिकारों को, न मंत्रियों को, तेल के व्यापारियों को भी नहीं, यह तो केरल के किसी मछुआरे को सहनी पड़ रही है, जिसके लिए डीजल का दाम दोगुना हो गया। साहेल का वह किसान जिसकी खाद नहीं पहुंची। वियतनाम का कोई कारखाना मालिक जिसका निर्यात आर्डर जहाजरानी रूट बदल जाने पर खारिज हो गया। काहिरा का परिवार जो गेहूं की आवक में कमी से रोटी के बढ़े दाम देने पड़ रहे। यह दुनिया में बार-बार दस्तक देने वाली सच्चाई है, जो प्रवाह सुचारु रहने पर निर्भर है, क्योंकि इसको सुरक्षित रखने के वास्ते नियमों की रूपरेखा नहीं बनाई गई। कोविड-19 को किसी पासपोर्ट की दरकार नहीं थी। यह उन्हीं राहों से फैला जिनसे सामान, पूंजी और लोग आवाजाही करते हैं। जब प्रवाह रुका, तो सबसे कम बचत वालों को सबसे पहले और ज्यादा भुगतना पड़ा यानि दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी श्रमिक।

युद्ध का असर अब वहीं तक सीमित नहीं रहता जहां यह चल रहा होता है। यह आपूर्ति श्रृंखला में दाखिल हो जाता है। एक इलाके की जंग दूसरे इलाके के अन्न भंडार खाली करवा देती है। एक बंदरगाह पर हुए हमले से समूचे महासागरीय क्षेत्र में दाम बढ़ जाते हैं। आज युद्ध एक योजनाबद्ध व्यवधान है। नाकेबंदी अपना फायदे खुलेआम घोषित नहीं करती। होर्मुज जलडमरू बंद होने के कुछ हफ्तों में ही, तेल का दाम बढ़कर सौ डॉलर प्रति बैरल होने का बोझ हरेक पैट्रोल पंप, हर ट्रांसपोर्ट लाइन , ढुलाई की जाने वाली हर चीज की कीमत पर पड़ा।

# 'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल ई-फार्मेसी

डॉ. सुधीर कुमार

**इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं।**

बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है। ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं।

वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है। भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है।

इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है। इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी।

पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है। इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं। सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों।

विधिक दृष्टिकोण से, 6 महीने से अधिक पुराने पर्चे पर दवा मंगवाना न केवल स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इसे 'अवैध खरीद' की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। 'भारी डिस्काउंट' के प्रलोभन में गुणवत्ता से समझौता करना अपने जीवन को दांव पर लगाने जैसा है। अक्सर ई-फार्मेसी कंपनियां खुद को महज 'बिचौलिया' बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे 'डेफिशिएंसी इन सर्विस' (सेवा में कमी) के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए बाध्य हैं। डिजिटल बिल और पैकेजिंग को साक्ष्य के रूप में संभाल कर रखना इस कानूनी लड़ाई में आपका सबसे बड़ा आधार है। आवश्यकता ई-फार्मेसी को प्रतिबंधित करने की नहीं, बल्कि 'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की है।

# गर्मी में घर में बनाएं ये 5 देसी कूलिंग ड्रिंक्स

गर्मी ने दस्तक दे दी है। गर्मी का मौसम तपती धूप, लू के थपेड़े शुरूहो चुकी है। इस मौसम में पसीना, डिहाइड्रेशन और लगातार थकान बढ़ती है। तेज होती गर्मी और बढ़ती हीटवेव के दौर में शरीर को ठंडा रखना बेहद जरूरी है। हाइड्रेट रहने के लिए लोग पानी पीते हैं लेकिन इससे शरीर को ठंडक नहीं मिलती। ठंडा पानी और बाजार के केमिकल भरे कोल्ड ड्रिंक्स तुरंत राहत तो देते हैं लेकिन असली ठंडक हमेशा पारंपरिक देसी पेयों में ही मिलती है। बेल का शरबत, आम पन्ना, सत्तू, छाछ और जलजीरा ये सिर्फ पेय नहीं बल्कि भारतीय परंपरा की वह विरासत हैं, जो हर गर्मी में शरीर को राहत और ऊर्जा देती हैं। दादी-नानी के जमाने से घरों में बनने वाले ये पेय न सिर्फ शरीर को ठंडा रखते हैं बल्कि पाचन सुधारते हैं, डिहाइड्रेशन से बचाते हैं और शरीर में प्राकृतिक ऊर्जा भी बनाए रखते हैं।

## आम पन्ना

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही आम का सीजन भी शुरू हो जाता है। ऐसे में गर्मी में ऐसी चीजों को खाना और पीना चाहते हैं जो हमें इस गर्म हवाओं से बचा सकें और हमारे शरीर को अंदर से ठंडक दे पाएं। इन्हीं ड्रिंक्स में से एक है आम का पन्ना। इस मौसम में आपको रोड किनारे आम पन्ना की ठेली देखने को मिल जाएगी। यह पेय उत्तर भारत में गर्मियों की पहचान है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है। आम पन्ना लू से बचाता है, शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता और पाचन में सुधार लाता है। इसे बनाने के लिए दो कच्चे आम, तीन चम्मच गुड़ या चीनी, भुना जीरा, काला नमक और पुदीना होना चाहिए। आम पन्ना बनान के लिए कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकाल लें। मिक्सर में गूदा, चीनी और पुदीना डालकर पीस लें। इसमें पानी और मसाले मिलाएं।

## छाछ या मट्ठा

भारतीय रसोई में छाछ को पाचन का सबसे अच्छा साथी माना जाता है। छाछ के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट की गर्मी कम करता है। इसे बनाने के लिए एक कप दही और दो कप पानी मिलाकर मथ लें। इसमें काला नमक और भुना जीरा मिलाएं। ऊपर से पुदीना डालकर सर्व करें।

## सत्तू का शरबत

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू को गर्मियों का सबसे ताकतवर पेय माना जाता है। इसके सेवन से तुरंत ऊर्जा मिलती है। सत्तू का शरबत पेट को ठंडा रहने में मदद करता है और लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता। एक गिलास ठंडे पानी में दो चम्मच सत्तू डालकर अच्छी तरह से घोलें। फिर काला नमक, भुना जीरा और नींबू का रस मिलाएं। ठंडा करके पीएं।

## जलजीरा

यह मसालेदार पेय स्वाद और स्वास्थ्य दोनों का शानदार मेल है। इसका सेवन पाचन को बेहतर करता है। गैस और अपच से राहत मिलती है। साथ ही शरीर को तरोताजा रखता है। इसे बनाने के लिए एक गिलास पानी मे एक चम्मच जलजीरा पाउडर मिलाएं। फिर नींबू का रस और काला नमक डालें। पुदीना मिलाकर ठंडा सर्व करें।

## बेल का शरबत

गर्मी के मौसम में बेल का फल किसी प्राकृतिक औषधि की तरह माना जाता है। यह शरीर की गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक देता है। बेल का शरबत गर्मी में लू से बचाता है। इसका सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है और शरीर को ठंडा रखता है। इसे बनाने के लिए बेल का शरबत बनाने के लिए ज्यादा सामग्री की भी जरूरत नहीं है। एक पका हुआ बेल, 4 गिलास ठंडा पानी, तीन से चार चम्मच गुड़ या चीनी और थोड़ा सा काला नमक चाहिए। अब शरबत बनाने के लिए बेल को तोड़कर उसका गूदा निकाल लें। पानी डालकर अच्छे से मसलें। छलनी से छान लें। इसमें गुड़ या चीनी और काला नमक मिलाएं। ठंडा करके पीएं।

## हंसना मना है

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे?
रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई... दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं...

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू-वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर-सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं, ?

संजू - पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

## कहानी — साधु की संगत से चोर ने चोरी छोड़ी

एक डाकू एक बार एक गांव से धन लूटकर भाग रहा था कि घोड़े पर से गिर कर घायल हो गया। उसने देखा पास में ही एक साधू की कुटिया है, धन को जमीन में गाढ कर वो साधु की कुटिया में गया। साधु रात्रि भोजन हेतु ही बैठे थे। दरवाजे पर दस्तक सुन उन्होंने कहा, जो कोई भी है, अन्दर आ जाओ। डाकू अन्दर गया तो साधु ने उसे भी बैठने के लिए आसन दिया, और पहले उसके समक्ष भोजन परोसा, फिर स्वयं लिया। साधु ने उसे भोजन प्रारम्भ करने को कहा- आप अतिथि है इसलिए आप ईश्वर के सामान है, आप पहले भोजन आरंभ करे। डाकू को आजतक किसी ने इतने सम्मान से ना कहा था और ना ही खिलाया था। डाकू ने भोजन किया। साधु ने एक चटाई उसके लिए बिछा दी और कहा रात में आप कहां जाइएगा तो यही विश्राम कर लीजिए। डाकू थोड़ा घायल था, तो चलने में उसे तकलीफ़ हो रही थी, जैसे ही साधु को उसके ज़ख्म का पता चला, उसका उपचार करने लगे। कुछ पत्तों को पीसकर उसका रस लेप करके एक कपड़े से उसके ज़ख्म पर बांधा। और सहारा देकर उसे चटाई पर लिटाया। डाकू साधु की उदारता से बहुत प्रभावित हुआ, उसने कहा, बाबा आप कितने संतुष्ट और उदार व्यक्तित्व के स्वामी है। आप में दया की भावना है। क्या आपको कभी धन की लालसा नहीं होती? साधु बोले- धन तो नश्वर है बालक, और जो चीज नष्ट हो जाए उसके लिए लालसा करना विनाश की ओर अग्रसर होना है। लालसा करनी है तो उन अनश्वर अनादि और अविनाशी ईश्वर की करो, जो एकमात्र सत्य है। डाकू को साधु की बाते सुन खुद पर लज्जा आ रही थी, कि उसने आजतक चोरी, डाका जैसे बुरे कार्य ही किए है। फिर भी उसके जीवन में शांति और संतुष्टि नहीं है। डाकू अपने सारे अपराधों की क्षमा साधु से मांगने हेतु उनके चरणों में गिर पड़ा, और साधु को अपनी सच्चाई बतलाई। और कहा- मैं आपकी उदारता से खुद की नजरों में लज्जित हूं। आज से और अभी से सबकुछ छोड़कर एक अच्छा इंसान बनना चाहता हूं। साधु विनम्रता से बोले, बिसर गई सब तात पराई, जब ते साध संगत मोहे पाई ! मतलब भागवत गीता में स्वयं ईश्वर कहते है, यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्य भाव से मेरा भक्त होकर मुझको भजता है तो वह साधु समान मानने योग्य है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

**वृषभ** — आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

**मिथुन** — नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

**कर्क** — आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

**सिंह** — कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

**कन्या** — दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

**तुला** — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

**वृश्चिक** — दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

**धनु** — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में दखल न दें। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

**मकर** — व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**कुम्भ** — सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

**मीन** — आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

# बुची बाबू सना की फिल्म पेद्दी का हिस्सा होंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म पेद्दी जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को पेद्दी में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है। खबरों के मुताबिक फिल्म पेद्दी की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

# बहुरानी अवतार में दिखीं आम्रपाली दुबे, फिल्म का फर्स्ट लुक जारी

भोजपुरी | मसाला

आम्रपाली दुबे भोजपुरी सिनेमा की सबसे चर्चित और पसंदीदा एक्ट्रेस में शामिल हैं। आम्रपाली दुबे फिलहाल अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसकी पहली झलक उन्होंने फैंस के साथ साझा कर दी है। फिल्म का नाम है- 'लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी'। जैसा कि फिल्म का नाम है, एक्ट्रेस बहूरानी अवतार में नजर आ रही हैं।

आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक साझा किया है। पोस्टर पर वे बहुरानी अवतार में दिख रही हैं। चुनरी प्रिंट की लाल रंग की साड़ी, गले में मंगलसूत्र पहने वे सिर पर पल्लू रखकर मुस्कुराती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, मेरी पहली फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी के सुपरहिट गाने लाखों में एक पवले बानी हम बहुरानी से शुरू हुआ ये सुनहरा सफर अब उसी नाम की फिल्म तक पहुंच चुका है। तैयार हो जाइए हंसी, प्यार और पारिवारिक भावनाओं से भरपूर एक शानदार कहानी के लिए।

इस फिल्म को रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट लेकर आ रहे हैं। यह पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। आम्रपाली ने लिखा है, पूरा परिवार के साथ देखे के तैयार रही ई फिल्म काहें कि ई फिल्म दिल जीत लेई। आम्रपाली के अलावा इस फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल ने भी पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने भी पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, धमाकेदार मनोरंजन खातिर हो जाई तैयार। इस फिल्म का निर्देशन अजय झा ने किया है।

आम्रपाली दुबे की इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया। वहीं, यह फिल्म 01 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का ट्रेलर एंटरटेन रंगीला और भोजपुरी सिनेमा टीवी के यूट्यूब चैनल से रिलीज होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# मेरे माता-पिता की शादी में इंदिरा गांधी का बड़ा हाथ था: अमीषा

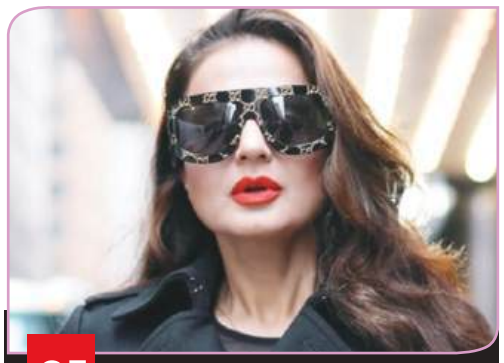

अमीषा पटेल बीते कुछ दिनों से अपने बयानों के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया और बताया कि उनके माता-पिता की शादी में भारत के एक पूर्व प्रधानमंत्री का बड़ा हाथ था। साथ ही उनके साथ अपने परिवार के जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। अमीषा पटेल ने हाल ही में बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में अपने परिवार और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ खास रिश्ते को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमीषा ने बताया कि जब उनका जन्म हुआ था, तो उन्हें देखने अस्पताल आने वाली पहली शख्सियत इंदिरा गांधी थीं। उन्होंने कहा, 'जब मैं ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में पैदा हुई थी, तो सबसे पहले मुझे देखने इंदिरा गांधी आई थीं।' अमीषा ने यह भी साफ किया कि यह रिश्ता यूं ही नहीं था, बल्कि उनके परिवार का राजनीति से गहरा जुड़ाव रहा है। अमीषा ने एक और चौंकाने वाली बात बताई कि उनके माता-पिता की शादी की तारीख भी इंदिरा गांधी ने ही तय की थी। उन्होंने कहा, 'मेरे पैरेंट्स की कुंडली मैच नहीं हुई थी, तो इंदिरा गांधी से पूछा गया कि वो कब फ्री हैं। उनके शेड्यूल के हिसाब से ही मेरे माता-पिता की शादी की तारीख फाइनल हुई। अमीषा ने अपने दादाजी राजनी पटेल के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने बताया, 'मेरे दादाजी बैरिस्टर राजनी पटेल बहुत बड़े वकील थे। बाद में वो राजनीति में आए। बचपन से ही जवाहरलाल नेहरू उनके मेंटर थे। राजनीति में आने के बाद उन्होंने पहले कम्युनिस्ट पार्टी जॉइन की और फिर कांग्रेस में आ गए। कांग्रेस के समय वो इंदिरा गांधी के सबसे करीबी सहयोगी थे और उनके चीफ एडवाइजर भी थे। अमीषा ने आगे कहा कि उनके दादाजी कांग्रेस के ट्रेजरर और प्रेसिडेंट भी रह चुके थे। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले मेरे दादाजी से सलाह जरूर लेती थीं। उन्होंने कई मुख्यमंत्रियों के लिए फंड भी जुटाया। हमारा परिवार राजनीति से काफी जुड़ा हुआ रहा है।

# भारत का वो रेलवे स्टेशन, जहां आज भी है अंग्रेजों का कब्जा

भारतीय रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है और यह दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है। लेकिन एक दिलचस्प सवाल अक्सर सामने आता है, क्या भारत में कोई ऐसा रेलवे ट्रैक है, जिसका संबंध आज भी अंग्रेजों से जुड़ा हुआ है? अगर आप भी इसका जवाब नहीं जानते, तो जान लीजिए एक खास रेलवे लाइन के बारे में, जो अपने अनोखे इतिहास के कारण चर्चा में रही है। यहां बात हो रही है शकुंतला रेलवे ट्रैक की, जिसे लेकर कई रोचक तथ्य सामने आते हैं। महाराष्ट्र में अमरावती से मुर्तजापुर तक फैला यह ट्रैक करीब 190 किलोमीटर लंबा था। इस रूट पर लंबे समय तक शकुंतला पैसेंजर नाम की ट्रेन चलती थी, और माना जाता है कि इसी ट्रेन के नाम पर इस ट्रैक का नाम पड़ा। इस लाइन पर कई छोटे-छोटे स्टेशन मौजूद थे, जहां आज भी ब्रिटिश दौर के पुराने सिग्नल और उपकरण देखने को मिलते थे। इतिहास पर नजर डालें तो इस रेलवे लाइन का निर्माण अंग्रेजों के समय में हुआ था। बताया जाता है कि 1916 में एक ब्रिटिश कंपनी, किलिक निक्सन एंड कंपनी, ने इसे तैयार किया था। इसका उद्देश्य अमरावती के कपास को मुंबई पोर्ट तक पहुंचाना था। खास बात यह भी कही जाती रही है कि इस नैरो गेज लाइन का मालिकाना हक लंबे समय तक उसी कंपनी के पास रहा। हालांकि, समय के साथ यह ट्रैक पुराना होता गया। सुरक्षा और आधुनिक जरूरतों को देखते हुए इसे ब्रॉड गेज में बदलने का फैसला लिया गया। इसी प्रक्रिया के चलते करीब 2016 के आसपास इस रूट पर ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया। इस तरह यह रेलवे ट्रैक आज भी अपने इतिहास और ब्रिटिश काल से जुड़े तथ्यों के कारण लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

अजब-गजब | यह है भारत का अजीबो-गरीब गांव

# इस गांव में सुबह 2 से 3 बजे के बीच ही निकल आता है सूरज

भारत के पूर्वी छोर पर बसा एक छोटा-सा गांव अपनी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है। यहां देश में सबसे पहले सूरज की किरणें पहुंचती हैं। हम बात कर रहे हैं डोंग गांव की, जो अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन-म्यांमार के ट्राई जंक्शन के पास स्थित है। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और खास भौगोलिक स्थिति के कारण यह गांव यात्रियों और फोटोग्राफरों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

डोंग गांव में सूर्योदय का नजारा बेहद खास होता है। यहां सुबह करीब 2 से 3 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है, जो देश के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी पहले है। इस जगह को 1999 में प्रमुखता से पहचाना गया, जिसके बाद से ही लोग यहां इस अनोखे अनुभव के लिए पहुंचने लगे। सूर्योदय देखने के लिए पर्यटकों को घने जंगलों और ऊंची-नीची पहाड़ियों से होकर लगभग 4-5 किलोमीटर की ट्रैकिंग करनी पड़ती है। सीमित सुविधाओं के बावजूद, प्रकृति के करीब रहने का एहसास यहां आने वालों को खास बना देता है। डोंग में सूरज जितनी जल्दी उगता है, उतनी ही जल्दी ढल भी जाता है। यहां दोपहर 3 से 4 बजे के आसपास ही सूर्यास्त हो जाता है। इसी वजह से गांव के लोगों की दिनचर्या भी अलग है। वे सुबह जल्दी अपने काम निपटा लेते हैं और दोपहर होते-होते रात के खाने की तैयारी शुरू कर देते हैं।

इस गांव में रहने वाली मिश्मी जनजाति का जीवन पूरी तरह प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है। उनके त्योहार, परंपराएं और रोजमर्रा की गतिविधियां सूर्योदय और सूर्यास्त के समय के अनुसार तय होती हैं। यह समुदाय प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करता है।

डोंग गांव पहुंचने के लिए भारतीय पर्यटकों को इनर लाइन परमिट (ILP) लेना जरूरी होता है, जबकि विदेशी यात्रियों के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट अनिवार्य है। सीमा क्षेत्र के करीब होने के कारण यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी हैं। हालांकि, यहां तक पहुंचने का सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन जो लोग एडवेंचर और प्रकृति से प्यार करते हैं, उनके लिए यह अनुभव यादगार साबित होता है। डोंग गांव सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जहां आप प्रकृति की लय के साथ जीने का असली मतलब समझ सकते हैं। यहां का सूर्योदय, शांत वातावरण और अनोखी जीवनशैली हर किसी को एक नई सीख देकर जाती है।

# टीएमसी सांसद मिताली बाग पर हमले के बाद बंगाल में बवाल

## भाजपा के गुंडों ने सांसद पर किया हमला: अभिषेक बनर्जी

### » आरामबाग में मिताली बाग के काफिले पर हुआ था हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। टीएमसी सांसद मिताली बाग पर हमले के बाद से बंगाल में सियासी तूफान मच गया। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरामबाग मेडिकल कॉलेज जाकर टीएमसी सांसद मिताली बाग से मुलाक़ात की। यह मुलाक़ात तब हुई जब पश्चिम बंगाल के आरामबाग में मिताली बाग के काफ़िले पर कथित तौर पर हमला हुआ था। तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी पर मिताली बाग के काफ़िले पर हमला करने का आरोप लगाया। यह हमला तब हुआ जब मिताली बाग आरामबाग में अभिषेक बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रही थीं।**

मिताली बाग का एक वीडियो शेयर करते हुए टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अमित शाह ने हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को धमकी दी थी कि जो कोई भी अपने घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। आज, उस धमकी को अंजाम दिया गया। हमारी सांसद मिताली बाग, जो अनुसूचित जाति समुदाय से चुनी हुई महिला प्रतिनिधि हैं, पर बीजेपी के गुंडों और बदमाशों ने बेरहमी और कायरतापूर्ण तरीके से हमला किया। उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। उनकी विंडशील्ड तोड़ दी गई। कांच के टुकड़े उनके शरीर में घुस गए। उन्हें दर्द से कराहते हुए सुनिए। पोस्ट में लिखा था कि यह एक चुने हुए सांसद की जान लेने की कोशिश है। अमित शाह ने मंच से इसका आदेश दिया। उनके गुंडों ने सड़क पर इसे अंजाम दिया। आदेश की कड़ी सीधी है। इसकी जिम्मेदारी उनकी है। जब भाजपा को अपनी हार साफ़ नज़र आती है, तो वह इस हद तक जाने को तैयार हो जाती है। हिंसा। खून-खराबा। एक महिला पर हमला। एक अनुसूचित जाति के प्रतिनिधि पर हमला। दिन-दहाड़े।

### 90 लाख वोट कटने का बदला लेगी जनता: केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना समर्थन दिया और कहा कि बंगाल की जनता स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के दौरान राज्य में 90 लाख वोट काटे जाने का बदला भारतीय जनता पार्टी से लेगी। चल रहे विधानसभा चुनावों से पहले, केजरीवाल ने राज्य में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाया। कोलकाता में एक जनसंवाद को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैं इन चुनावों के लिए ममता बनर्जी को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं बंगाल की जनता को बधाई देता हूं कि जिस तरह से वे इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं। पिछले दो दिनों में, मैंने राज्य में जो माहौल देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बंगाल की जनता राज्य में 90 लाख वोट काटे जाने का बदला लेगी।

### मां-माटी-मानुष की जीत अब बस कुछ ही समय की बात है: ममता

बंगाल में 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, ममता बनर्जी ने सोमवार को भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक पदयात्रा की और लोगों से बातचीत की। इस पदयात्रा ने पूरे विधानसभा क्षेत्र के कई हिस्सों को कवर किया, जिसमें सुकांत सेतु से ढाकुरिया, गोलपार्क से गरियाहाट रोड और हाजरा कॉलेज से गोपालनगर मोड़ तक के रास्ते शामिल थे। बनर्जी भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, जहाँ 29 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होना है। इससे पहले रविवार को भी उन्होंने यहाँ एक रोड शो किया था। मुख्यमंत्री भवानीपुर के कई हिस्सों से पैदल गुजरीं, और इस जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक जमा हुए। जनसभाओं के दौरान उन्हें जनता का ज़बरदस्त समर्थन मिला है, और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि माँ-माटी-मानुष की जीत अब बस कुछ ही समय की बात है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बनर्जी ने कहा, कल की पदयात्रा और जनसभाओं में आम लोगों का ज़बरदस्त उत्साह, सच्ची गर्मजोशी और अपने आप उमड़ा भावनात्मक जुड़ाव देखकर मैं इतनी भावुक हो गई हूँ कि उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो सालों से इस धरती पर आई हर चुनौती में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने से बना है। मां-माटी-मानुष की जीत अब सिर्फ़ कोई अनुमान नहीं रही। यह अब बस समय की बात है। बंगाल की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान पर ज़ोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य लंबे समय से सद्भाव की रोशनी और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है।

# 39 गेंदो में आरसीबी ने दिल्ली से जीता मुकाबला

### » विराट कोहली ने आईपीएल में पूरे किए नौ हजार रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को महज 39 गेंदों में नौ विकेट से हरा दिया। सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में दिल्ली की टीम 16.3 ओवरों में सिर्फ 75 रन ही बना सकी। जवाब में आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर 77 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया। इस दौरान विराट कोहली ने आईपीएल में नौ हजार रन भी पूरे कर लिए।**

दिल्ली कैपिटल्स को मैच की दूसरी गेंद पर साहिल परख के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि मेजबान टीम ने महज आठ के स्कोर तक छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद डेविड मिलर ने अभिषेक पोरेल के साथ सातवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 35 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। उनके अलावा, काइल जैमीसन ने 12 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। जोश हेजलवुड ने 12 रन देकर चार विकेट हासिल किए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट निकाले। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने महज 6.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। विराट आईपीएल में नौ हजार रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज बन गए। उनके नाम 275 मैचों में आठ शतक और 66 अर्धशतकों के साथ 9012 रन दर्ज हो गए। इसके अलावा कोहली आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन दर्ज हैं। किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी विराट के ही नाम है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 1174 रन बनाए। इस मामले में तीसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ 1161 रन बनाए।

### रोहित हैदराबाद के खिलाफ करेंगे मैदान पर वापसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा चोट से उबर रहे हैं और वह टीम के अभ्यास सत्र में नजर आए। मुंबई का सामना अब सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। ये मैच 29 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। रोहित को आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी जिसके बाद से वह मैदान से बाहर हैं। बताया जा रहा है कि रोहित हैदराबाद के खिलाफ मैच में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। रोहित ट्रेनिंग और जिम में मेहनत कर रहे हैं और उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं हो रही है। फिजियो इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि रोहित अगले मैच में खेलने उतर सकते हैं। रिहैब के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है।

# बीजेपी के खिलाफ त्रिपुरा में गुस्सा

### » सुदीप राय बर्मन ने कहा- वोटों की सुनामी आएगी और हम जीतेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**अगरतला। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस-वाम गठबंधन का मानना है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ वोटों की सुनामी आएगी क्योंकि लोग सीमावर्ती राज्य में पांच साल से जारी राजनीतिक हिंसा से निराश हैं। कांग्रेस की त्रिपुरा इकाई के नेता सुदीप राय बर्मन ने कहा कि गठबंधन प्रस्तावित ग्रेटर टिपरालैंड राज्य की मांग का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा कि उनको लगता है कि चुनाव के बाद के परिदृश्य में टिपरा मोथा का एक व्यावहारिक दृष्टिकोण होगा। सुदीप राय बर्मन ने कहा, बीजेपी के खिलाफ वोटों की सुनामी आएगी। लोग निरंतर हिंसा से तंग आ चुके हैं, जिसकी आड़ में सत्ताधारी पार्टी द्वारा किए गए कोई भी विकास कार्य नजर नहीं आते।**

उन्होंने कहा, बीजेपी सरकार ने हमें जंगलराज की तरह पेश किया, विपक्ष की आवाज का गला घोंटा, कानून का कोई शासन नहीं है... मेरी भविष्यवाणी है कि कांग्रेस-वाम गठबंधन चुनाव में जीत हासिल करेगा। पांच बार के विधायक एवं राज्य के एक लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे बर्मन 2016 में छह कांग्रेस विधायकों के साथ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि ममत बनर्जी नीत पार्टी के राज्य पर अधिक ध्यान न देने का हवाला देते हुए वह एक साल बाद ही बीजेपी में शामिल हो गए।

### कांग्रेस पार्टी है महिला विरोधी : रिजिजू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक तरह से मान लिया है कि पार्टी महिला-विरोधी है। उन्होंने हाल ही में संसद सत्र के बाद दोनों नेताओं के बीच हुई एक निजी बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, संसद सत्र खत्म होने के बाद, थरूर ने मुझे हॉल में बताया कि कांग्रेस पार्टी शायद महिला-विरोधी हो, लेकिन कोई भी महिला शशि थरूर को महिला-विरोधी नहीं मानेगी।**

तो मैंने कहा, हां, मैं मानता हूं कि कोई भी आपको महिला-विरोधी नहीं कहेगा, लेकिन आपकी पार्टी महिला-विरोधी है। रिजिजू ने कहा कि थरूर ने एक तरह से मान लिया कि कांग्रेस का रुख महिला-विरोधी है। रिजिजू ने इस बातचीत को कांग्रेस की आंतरिक मानसिकता के प्रमाण के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि थरूर के शब्दों से यह स्पष्ट है कि वे खुद अपनी पार्टी के रुख से वाकिफ हैं।

# राज्य के साथ हो रहा घोर अन्यायः मुफ्ती

### » शोपियां मदरसा गैर-कानूनी घोषित करने पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**श्रीनगर। महबूबा मुफ्ती ने शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक गैर-कानूनी संस्था घोषित किए जाने की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस कदम को समाज के वंचित वर्गों के साथ घोर अन्याय बताया है। मुफ्ती ने इस फैसले के छात्रों और संस्था से जुड़े हाशिए पर पड़े समुदायों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता जताई है। मुफ्ती ने तर्क दिया कि ऐसे कदमों का सबसे ज्यादा असर गरीबों और कमजोर लोगों पर पडता है, जिनमें से कई लोग शिक्षा और मदद के लिए इन्हीं मदरसों पर निर्भर रहते हैं।**

उन्होंने अधिकारियों से इस कदम पर फिर से विचार करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि वंचित वर्गों की सेवा करने वाली संस्थाओं के साथ व्यवहार करते समय निष्पक्षता और संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। कई राजनीतिक आवाजें इसके व्यापक सामाजिक और शैक्षिक प्रभावों को लेकर चिंता जता रही हैं। वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद चौधरी मोहम्मद रमजान ने कहा कि यह पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ही थी, जिसने अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम लागू किया था। सत्ताधारी पार्टी की जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हुए चौधरी ने कहा कि उन्हें अभी तक इस संस्था को गैर-कानूनी घोषित किए जाने के पीछे के कारणों के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिली है।

### सज्जाद लोन ने भी जताई नाराजगी

पीपल्स कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद लोन ने भी एक्स पर शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को बंद किए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह कानूनों का इस्तेमाल सिर्फ बेसहारा लोगों के खिलाफ कर रही है। सज्जाद लोन ने बताया कि शोपियां में दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को एक गैर-कानूनी संस्था घोषित करने का कदम बेहद चिंताजनक है. अब यह एक चलन बन गया है और यह खतरनाक है. चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने की रणनीति पहले भी काम नहीं आई है और अब भी काम नहीं आएगी. मुझे हैरानी होती है कि सारे कानून सिर्फ सबसे ज्यादा बेसहारा लोगों के लिए ही क्यों होते हैं?

# अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा

- मीडिया के जरिए ईरान के साथ बातचीत नहीं करेगा अमेरिका
- होर्मुज स्ट्रेट को लेकर गतिरोध जारी
- इजरायल का लेबनान में 20 ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव कम होने के बजाय बढ़ता दिख रहा है। सीजफायर के बावजूद इजरायल का लेबनान में 20 ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमला किया है। बेक्का और दक्षिणी इलाकों में गोले बरसाये हैं। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान पहुंचे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान पहुंचे हैं, जो पिछले 48 घंटों में उनकी तीसरी यात्रा है। ईरान के साथ जारी तनाव के बीच अमेरिका ने साफ किया है कि वह मीडिया के जरिए ईरान के साथ बातचीत नहीं करेगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि राष्ट्रपति वही समझौता करेंगे जो अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए सही होगा। अल अरेबिया ने एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट किया है, जिसमें सीनियर ईरानी अधिकारी ने अल अरेबिया से कहा की हमें उम्मीद है कि सीमित स्तर पर फिर से लड़ाई शुरू होगी, जिसके बाद वार्ता की ओर बढ़ा जाएगा।

## दक्षिणी लेबनान में ड्रोन हमले में दो इजरायली सैनिक घायल

इजरायली सेना का कहना है कि हिजबुल्लाह की ओर से किए गए ड्रोन हमले में दक्षिणी लेबनान में दो सैनिक घायल हो गए हैं। सेना ने बताया कि हमले में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरा सैनिक मामूली रूप से घायल हुआ। सेना ने आगे बताया कि घायल सैनिकों को अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है और उनके परिवारों को जानकारी दे दी गई है।

## तेल की कीमतों में लगातार सातवें दिन उछाल

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव का असर ऑयल मार्केट पर दिखाई दे रहा है। मंगलवार (28 अप्रैल) को भी कच्चे तेल की कीमतों में लगातार सातवें दिन बढ़ोतरी दर्ज की गई। ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 3 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 109 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया।

## अमेरिकी घेरेबंदी के बावजूद भारत पहुंचा कच्चा तेल

अमेरिकी नौसेना ने ओमान की खाड़ी में तैनाती कर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रखी, लेकिन वह पूरी तरह से नाकेबंदी लागू नहीं कर पाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक दर्जनों टैंकर इस क्षेत्र से निकलने में सफल रहे हैं। एक ऐसा रास्ता भी बताया जा रहा है, जिससे जहाज सीधे ईरान के खार्ग द्वीप से मुंबई तक पहुंच सकते हैं।

## ट्रंप ने होर्मुज को खोलने के ईरान के प्रस्ताव पर चर्चा की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा दल के साथ बैठक कर ईरान के उस प्रस्ताव पर चर्चा की, जिसमें वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की बात कही गई है. व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लीविट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस विषय पर चर्चा हुई है, लेकिन वह बैठक के नतीजे को लेकर अभी कुछ कहना नहीं चाहतीं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रपति जल्द ही खुद जानकारी देंगे. इससे पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 'फॉक्स न्यूज' से कहा कि ईरानी वार्ताकार समझौते को लेकर गंभीर हैं, लेकिन वे इसके लिए और समय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं. रूबियो ने कहा कि ईरान अपनी मौजूदा परिस्थितियों से बाहर निकलना चाहता है और इसी दिशा में बातचीत जारी है।

# गुजरात निकाय चुनावों में भाजपा का दबदबा, कई सीटों पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में हुए बड़े पैमाने पर स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मंगलवार को राज्यभर में निर्धारित मतगणना केंद्रों पर वोटों की गिनती शुरू हो गई है, जिसके बाद दिन में ही परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है। अहमदाबाद नगर निगम की कुल 192 सीटों के नतीजे सामने आ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में भाजपा ने 54 सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है।

वहीं विपक्षी पार्टी कांग्रेस 11 सीटों पर आगे चल रही है। उधर, मेहसाणा नगर निगम में भी भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है। यहां की 52 सीटों में से 20 सीटों पर पार्टी ने जीत दर्ज कर ली है। वार्ड नंबर 1, 6, 7, 10 और 11 में भाजपा उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की है। आदलाज, कलोल, मानसा और गांधीनगर क्षेत्रों में अधिकांश सीटों पर भी भाजपा ने जीत दर्ज की। कलोल में घोषित 12 सीटों में से 8 पर भाजपा ने कब्जा जमाया, जबकि कांग्रेस को 4 सीटों से संतोष करना पड़ा। इन नतीजों से पूरे क्षेत्र में भाजपा की मजबूत स्थिति साफ नजर आती है।

इन चुनावों में उम्मीदवारों की संख्या के लिहाज से भी भाजपा सबसे आगे रही। पार्टी के चुनाव चिन्ह पर कुल 9,237 उम्मीदवार मैदान में थे। कांग्रेस ने 8,443 प्रत्याशी उतारे, जबकि आम आदमी पार्टी के सिंबल पर 5,261 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतगणना की प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी के बीच संपन्न कराई जाएगी। अहमदाबाद में एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज और गुजरात कॉलेज जैसे केंद्रों पर मतगणना होगी। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में विशेष प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस चुनाव में कुल 15 नगर निगम, 84 नगरपालिकाएं, 34 जिला पंचायतें और 260 तालुका पंचायतें शामिल हैं। यानी राज्य में 9000 से अधिक सीटों का भविष्य इस मतगणना से तय होगा। 26 अप्रैल में हुए मतदान के बाद यह राज्य के सबसे बड़े जमीनी स्तर के चुनावी मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

आयोग के अनुसार, इस चुनाव में 32,748 नामांकन दाखिल हुए थे, जिनमें से 26000 से अधिक उम्मीदवार मैदान में बने रहे। कई सीटों पर उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

## राजकोट निकाय चुनाव में कांग्रेस का पताका

वार्ड 16 में मिली हार राजकोट में भाजपा के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन राज्य भर के रुझान बताते हैं कि भाजपा अन्य शहरी केंद्रों में अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए है. हालांकि जंगलेश्वर का परिणाम इस बात की स्पष्ट याद दिलाता है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्रों में आक्रामक ध्वस्तीकरण की नीतियां चुनावी परिणामों को किस प्रकार सीधे प्रभावित कर सकती हैं।

## अखिलेश की साइकिल चली

गुजरात के पोरबंदर जिले की कुटियाना नगरपालिका में समाजवादी पार्टी ने चौंकाया. कुटियाना के वार्ड नंबर 6 के नतीजों में सपा प्रत्याशी रभीबेन कानाभाई रायगा ने बड़ी जीत हासिल की। खेड़ा जिले की काठलाल नगरपालिका के वार्ड नंबर 4 में भी सपा ने जीत पाई।

# सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार: जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान थमने के बाद अब सरकार को महिला आरक्षण को 29 से लागू करने के बारे में चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने व्यक्तिगत राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का उपयोग करने के बजाय उन्हें न्याय प्रदान करना चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के लिए प्रचार थमने के बाद एक बार फिर उठाई है। उसने और कई अन्य विपक्षी दलों ने पहले भी सरकार से यह आग्रह किया था कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार संपन्न होने के बाद महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

# यूपी व दिल्ली को गर्मी से मिलेगी राहत आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मौसम की सबसे 'गर्म रात' दर्ज किए जाने के बीच, कुछ इलाकों में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, कई केंद्रों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.6 से 5.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया, जो 'गर्म रात' की स्थिति को दर्शाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 'गर्म रात' तब मानी जाती है जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना रहे। वहीं बीते 15 दिनों से परेशान करने वाली गर्मी से मंगलवार से काफी हद तक निजात मिलेगी। विक्षोभ की वजह से 28 अप्रैल से यूपी के ज्यादातर जिलों में हवाओं का रुख बदला हुआ रहेगा। इसके पहले उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी और भीषण लू का प्रकोप सोमवार को भी जारी रहा। सुबह से ही तेज धूप और झुलसा देने वाली हवाओं ने जनजीवन को बेहाल कर दिया। बुंदेलखंड का बांदा 47.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ न केवल प्रदेश बल्कि देश का सबसे गर्म शहर रहा।

बांदा में अप्रैल महीने के अब तक के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। मंगलवार को प्रदेश के 27 जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश का अनुमान है।वहीं पश्चिमी यूपी के करीब 15 जिलों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की आशंका है। इससे तापमान में गिरावट आने और गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद जताई गई है।

# आक्रामक विपक्ष ने धामी सरकार को घेरा

## महिला आरक्षण पर उत्तराखंड में हंगामा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का भाजपा पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के विफल होने के बाद आज उत्तराखंड में इस पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम धामी ने कहा कि देश की नारी को विश्वास दिलाते हैं, उनका अधिकार अवश्य मिलेगा।

कहा किआधी आबादी को उनका पूरा हक प्रदान करने का प्रयास मिले ताकि मातृशक्ति विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान दे सके। वहीं विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भी सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। सीएम के संबोधन के बाद सदन में अब नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का संबोधन शुरू हो रहा। यशपाल आर्य ने कहा कि ये बहुत संवेदनशील विषय है। कहा कि केंद्र की तारीफ में कसीदे पढ़ना राज्य सरकार की मजबूरी है। सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है। नया शब्द जो दिया नारी वंदन अधिनियम, लेकिन 026 में जो संशोधन अधिनियम लाया गया है उस पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट है। ये आधी आबादी के साथ धोखा है। एक खास सोच के तहत इसे लाया गया है। कहा कि हमें लगा कि केंद्र सरकार, पीएम मोदी बहुत संवेदनशील है। उस दिन तीन विधेयक लाए गए। इसमें स्पष्ट कहा गया कि महिलाओं की संख्या बढ़ेगी। लेकिन जो सच दिखाया गया वो नहीं होता। विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए सीएम धामी ने कहा कि कांग्रेस को जनता से कोई लेना देना नहीं।

एक नेता कह रहे हैं कि उत्तराखंड की विधानसभा में भाजपा 33प्रतिशत आरक्षण देने को क्यों नहीं कहती। सीएम ने कहा कि नारी का अधिकार छीनकर तुम इतना अभिमान न करो। अहंकार अपना त्यागो। आज नहीं तो कल ये परिवर्तन अनिवार्य है। लोकसभा में विपक्ष ने जो किया, मैं उसकी घोर निंदा करता हूं और अनुरोध करता हूं कि इस पर चर्चा कराई जाए।

**महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
**RNI-UPHIN/2015/62233**, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**